प्रेस विज्ञप्ति

नागर विमानन मंत्रालय

तुरन्त जारी करने हेतु

नई दिल्ली, 11, जून, 2014

देश में घरेलू विमान कार्गो टर्मिनल के रुप में विकसित करने के लिए 24 हवाई अड्डे चिहिनत

नागर विमानन मंत्रालय का मानना है कि मोजूदा अवसंरचना की कार्यकुशलता को सुधारना एक नियमित प्रक्या है तथा नई अवसंरचना का प्रतिष्ठापन योजनाबद्ध एवं व्यवहार्यता के आधार पर हो। इसी क्रम में श्री अशोक लवासा, सचिव(नागर विमानन) ने समीक्षा के दौरान, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को निदेश दिया कि वह देश भर मैं घरेलू कार्गो टर्मिनलों को विकसित करने के लिए योजना बनाए। कोयम्बटूर तथा त्रिचि में कार्गो टर्मिनल भवनों के हाल ही में हुए विकास के अनुसार ही अन्य हवाई अड्डों पर भी यह सुविधा स्थापित की जाएगी। भारतीय विमापत्तन प्राधिकरण ने सुचित किया कि उन्होंने हाल ही में मंगलौर हवाई अड्डे पर अवसंरचना सुविधाओं सहित ऐसी ही सुविधा स्थापित की है जिसमे 1400 वर्ग मीटर अन्तरराष्ट्रीय कार्गो तथा 1100 वर्ग मीटर घरेलू कार्गो का क्षेत्र जिसकी वार्षिक होल्डिंग क्षमता अन्तरराष्ट्रीय आयात कार्गो के लिए 5000 टन, निर्यात कार्गो के लिए 13000 टन तथा घरेलू इन-बाउंड कार्गो के लिए 18000 टन और घरेलू आउट कार्गो के लिए 21000 टन है। भाविप्रा ने सूचित किया कि कुल मिलाकर 24 हवाई अड्डों पर ऐसे घरेलू कार्गो टर्मिनल विकसित किए जाएंगे।

देश में विमान कार्गो अवसंरचना के महत्व को उजागर करते हुए जो कि वैश्विक आर्थिक स्वास्थय का एक बौरो मीटर है, सचिव(ना.वि.) ने अधिदेश दिया कि यह कार्य देशभर मे विमान कार्गो सुविधा के विकास तथा कार्गो वस्तुओं के त्वरित संचलन / परिवहन के ले राष्ट्रीय लॉजिस्टिक तंत्र के विकास के लिए सरकार की योजना के तारतम्य में होना चाहिए।

प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा जारी
नागर विमानन मंत्रालय
विस्तृत ब्योरे के लिए कृपया संपर्क करे
महाप्रबंधक (जनसम्पर्क) 9810025069
011-24622787
सं 16 / 2014-15

संपादक को टिप्पणीः

विमान सेवा उधोग के कुल राजस्व का लगभग 10 % विमान कार्गो से आता है। अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर आदान प्रदान होने वाली 35 % वस्तुंए विमान द्वारा पंहुचाई जाती हैं। परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स उधोग अर्थव्यवस्था की वृद्धि तथा विकास की दृष्टि से आपस में जुड़े हुए हैं। अतः आर्थिक गतिविधी में तेजी आने से परिवहन तथा लॉजिस्टिक्स की मांग भी निश्चय ही बढ़ती है। साथ ही वैश्वीकरण तथा अन्तरराष्ट्रीय बाजार के तेजी के मौजूदा चलन को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि शहरी तथा ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में कार्गो यातायात बढ़ेगा। नागर विमानन मंत्रालय ने भारत में विमान कार्गो लॉजिस्टिक्स का अध्ययन करने के लिए एक वर्किंग ग्रुप बनाया तथा मई 2012 में रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में बताया गया है कि अन्तरारष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि तथा लॉजिस्टिक्स अवसंरचना के मध्य गहरा संबंध है। वर्ष 2013-14 के दौरान, जहां तक माल ढुलाई का संबंध है, सभी प्रचालित हवाई अड्डों पर कुल मिलाकर 2 मिलियन एम टी का आंकड़ा(1.4 एम टी अन्तरारष्ट्रीय तथा 0.8 मिलियन एम टी घरेलू) बनाए रखा गया, विशेषतः 2279.12 हजार टन माल संभाला गया जो कि पिछले वर्ष से 4% की बढ़त दर्शाता है। वर्ष 2017-18 तक 5% की वृद्धि दर से, अनुमान दे कि 2796 हजार एम टी का आंकड़ा प्राप्त कर लिया जाएगा तथा 2017-18 के पश्चात 8.2 % की वृद्धि दर से अनुमान दे कि वर्ष 2022-23 तक 4142 हजार एम टी का आंकड़ा प्राप्त कर लिया जाए।